



सत्यमेव जयते

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

PO. 350  
Km. 30  
Depth 100  
CPB. 220

पूरा किया

सं. 126]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 11, 2004/फाल्गुन 21, 1925

No. 126]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 11, 2004/PHALGUNA 21, 1925

भारतीय रिज़र्व बैंक

(विदेशी मुद्रा विभाग)

(केन्द्रीय कार्यालय)

शुद्धिपत्र

मुम्बई, 5 मार्च, 2004

प्रभारी

प्र० वि० द्रुत

सा.का.नि. 186(अ).—1 अप्रैल, 2003 के सा.का.नि. 399(अ) द्वारा भारत के राजपत्र असाधारण, भाग II, धारा 3, उपधारा (i) में प्रकाशित भारतीय रिज़र्व बैंक, विदेशी मुद्रा नियंत्रण विभाग, केन्द्रीय कार्यालय के 1 अप्रैल, 2003 की अधिसूचना सं. फेमा 88/2003 आर.बी. के अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा :—

“पाद टिप्पणी : प्रधान विनियमावली मई 3, 2000 की सा.का.नि. सं. 456 के अनुसार सरकारी राजपत्र में भाग II, धारा 3, उपधारा (i) में प्रकाशित की गई थी और मार्च 1, 2003 के सा.का.नि. सं. 629(अ) द्वारा अंतिम संशोधन”।

उपरोक्त के अनुसार सुधारी और संशोधित की गई प्रधान विनियमावली प्रभावी रूप से लागू रहेगी।

[सं. 1/23/ईसी/2000—खण्ड II]

श्यामला गोपीनाथ, कार्यपालक निदेशक

RESERVE BANK OF INDIA  
(Foreign Exchange Department)  
(CENTRAL OFFICE)

CORRIGENDUM

Mumbai, the 5th March, 2004

G.S.R. 186(E).—In the notification No. FEMA. 88/2003-RB dated April 1, 2003 of Reserve Bank of India, Exchange Control Department, Central Office published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide G.S.R. 399(E), dated April 1, 2003, the following shall be added at the end :—

Foot-note : —The Principal Regulations were published in the Official Gazette vide No. G.S.R. 456, dated May 3, 2000 in Part II, Section 3, Sub-section (i) and subsequently last amended vide G.S.R. No. 629(E) dated March 1, 2003.

That as rectified and modified as aforesaid, the Principal Regulations shall remain in full force and effect.

[No. 1/23/EC/2000-Vol. II]

SHYAMALA GOPINATH, Executive Director